आकाशवाणी शिमला

05.09.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

मुख्य समाचार

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस पर 82 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित–चम्बा के रसायन प्रवक्ता सुनील कुमार को भी नवाजा।
- मुख्यमंत्री ने कहा–प्रदेश में स्वास्थ्य संस्थानों की हालत को अगले 8 माह में सुधारेगी सरकार।
- राज्य में वर्ष 2023–24 के दौरान प्राकृतिक आपदा से नुकसान की भरपाई के लिए केन्द्र से विशेष वित्तीय सहायता मांगने के सरकारी संकल्प पर विपक्ष का सदन से वाकआउट।
- किन्नौर जिला के पूह क्षेत्र में वाहन दुर्घटना में तीन महिलाओं की मृत्यु–चार अन्य घायल।

शिक्षक दिवस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आज नई दिल्ली में आयोजित समारोह में 82 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इन 82 शिक्षकों में हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिला के भटियात विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरगट में रसायन प्रवक्ता सुनील कुमार भी शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुनील कुमार को राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा है। सुनील कुमार ने पुरस्कार मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वे आज बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भविष्य में अपने जिला व स्कूल का नाम रोशन करने के लिए और मेहनत करने की बात कही। इधर शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज शिमला स्थित राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 27 अध्यापकों को राज्य पुरस्कार और एक अध्यापक को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार वर्ष 2023 के लिए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किए गए। इस अवसर पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला ने सभी पुरस्कृत अध्यापकों को पौधे भी भेंट किए। इस दौरान शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित अध्यापकों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि अध्यापकों को समाज के सभी वर्गों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता बताई।

राज्यपाल ने नशे के विरुद्ध एक जन आन्दोलन शुरू करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने भी विचार व्यक्त किये। इस बीच शिमला स्थित भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के संस्थापक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में अब राजनीतिक आधार पर नए संस्थान खोलेगी। वे आज शिमला में चल रहे विधानसभा के मॉनसून सत्र में प्रश्नकाल के दौरान विधायक रणधीर शर्मा द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार जरूरत के अनुसार, जनसंख्या और भौगोलिक आधार पर भी नए संस्थान खोलने पर विचार करेगी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछले पांच साल से जिन विधानसभा हलकों की उपेक्षा की जा रही थी, उन हलकों में उनकी सरकार ने नए संस्थान खोले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नए संस्थान खोलने से पहले उनमें सभी सुविधाएं, पद और स्टाफ का प्रबंध करेगी, ताकि जनता की समस्याओं का भी समाधान हो सके। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य संस्थानों की हालत अच्छी नहीं है और सरकार अगले आठ माह में इस स्थिति को ठीक करेगी। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी और टांडा मेडिकल कॉलेज से इसकी शुरूआत कर दी गई है। यहां पर डॉक्टरों और पेरामेडिकल स्टाफ के सभी पदों को अभी अस्थाई आधार पर भरा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टर–मरीज रेशो पर सरकार काम कर रही है।

विधायक रीना कश्यप के सवाल के जवाब में हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले आठ से 10 माह के भीतर किसी भी विधायक की यह शिकायत नहीं रहेगी कि उनके हलके में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के पद खाली हैं। इससे पहले, मूल सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि सरकार डॉक्टरों के दो सौ पदों सहित एनएचएम के तहत अन्य श्रेणियों के पदों को भी भर रही है। उन्होंने कहा कि पच्छाद हलके के नारग में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोला जाएगा। विधायक मलेंद्र राजन के मूल और

विधायक सुधीर शर्मा व जयराम ठाकुर के अनुपूरक सवालों के जवाब में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार राज्य के किसी भी मंदिर का सोना–चांदी गिरवी नहीं रखेगी और सरकार के पास इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है। अग्निहोत्री ने इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर जानबूझकर सनसनी फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि वे हिमाचल को अस्थिर करना चाहते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डमटाल के राम गोपाल मंदिर के परिसर के जीर्णोद्धार के लिए जो 9 करोड़ रुपए की स्वीकृति ली है, उस पर फिलहाल रोक लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भाषा, कला व संस्कृति विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाकर इस मंदिर का पूरा लेखा जोखा जुटाया जाएगा।

संकल्प

प्रदेश विधानसभा ने राज्य में वर्ष 2023–24 के दौरान आई प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र से शतप्रतिशत अनुदान के रूप में सहायता राशि प्रदान करने के लिए एक संकल्प पारित किया। यह संकल्प मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज सदन में पेश किया था और इस संकल्प पर चर्चा भी हुई। संकल्प के अनुसार जिस प्रकार वर्ष 2024–25 के बजट में केंद्र सरकार ने तीन आपदा प्रभावित राज्यों सिक्किम, असम और उत्तराखंड के बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए अनुदान के रूप में सहायता दिए जाने की घोषणा की है, उसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में भी तीन राज्यों की तर्ज पर आपदा से भारी नुकसान हुआ था। इसलिए केंद्र हिमाचल को भी शतप्रतिशत सहायता राशि प्रदान करे।

वाकआउट

इस बीच विधानसभा में आज नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के बीच हुई तीखी नोक–झोंक के बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर दिया। यह वाकआउट उस समय हुआ, जब सदन में हिमाचल के लिए सिक्किम, उत्तराखंड और असम की तर्ज पर केंद्र से विशेष वित्तीय सहायता मांगने के सरकारी संकल्प पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी किसी मुद्दे पर अपना स्पष्टीकरण देने के लिए उठे, लेकिन तभी उनकी नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के साथ तीखी नोक–झोंक हो गई। इस दौरान सत्तापक्ष व विपक्ष के बीच माहौल गरमा गया और दोनों ही पक्षों के सदस्य अपनी–अपनी सीटों पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे। बाद में नारेबाजी करते हुए पूरा विपक्ष सदन से बाहर चला गया। इस बीच संसदीय कार्यमंत्री ने विपक्ष के वाकआउट के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित किया।

घटना

किन्नौर जिला के पूह क्षेत्र के तहत गांधी मोहल्ला सम्पर्क मार्ग पर आज सुबह एक पिकअप गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चालक सहित 4 अन्य गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। वाहन में कुल 7 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार पूह गांव की 6 महिलाएं मनरेगा कार्य के दौरान पिकअप वाहन में बजरी लेकर गांधी मोहल्ला सड़क से जा रही थी और अचानक सामुदायिक अस्पताल के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। मृतकों में छेवांग जामो, इन्द्र मोनी और सरिता शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व व जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने गम्भीर घायलों को कड़छम स्थित भारतीय सेना के हैलीपैड से एयर लिफ्ट करवा कर उपचार के लिए आईजीएमसी शिमला पहुंचाया। जगत सिंह नेगी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले 3 परिवारों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। पूह के अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी विनय मोदी ने बताया कि मृतकों के परिजनों को फौरी राहत के रूप में 25–25 हजार जबकि घायलों को 5–5 हजार रूपए की तुरंत राहत राशि प्रदान की गई है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस घटना में तीन लोगों के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

प्रदर्शन

राजधानी शिमला के उपनगर संजौली में अवैध मस्जिद निर्माण का मामला विधानसभा से लेकर सड़क तक गूंज रहा है। इस मामले को लेकर विभिन्न हिन्दू संगठनों ने आज संजौली व चौड़ा मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में अन्य स्थानों पर भी अवैध मस्जिदों का निर्माण हो रहा है और बाहरी लोग बिना पुलिस वेरिफिकेशन के हिमाचल आकर आपसी भाईचारे को खराब कर रहे हैं। चौड़ा मैदान में देवभूमि क्षत्रिय संगठन के प्रदर्शन में ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री अनिरूद्ध सिंह शामिल हुए। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं करेगी और मुख्यमंत्री ने इस मामले में कानून के तहत कार्यवाही की बात कही है। विभिन्न हिन्दू संगठनों ने अवैध मस्जिद को हटाने और वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों को सरकारी कब्जे में लेने की मांग की।